RACE & CULTURE

A Story of Humanity Beyond Borders



Ferdinando Frega – Nando the Scribe

Gillettenarrative.com

जिलेट: नस्ल और संस्कृति

मैं एक बार छह महीने लिस्बन के एक अपार्टमेंट में कई देशों के लोगों के साथ रहा था, और आज, उस तारीख़ पर जो इंसानियत के सबसे मनहूस अध्यायों में से एक — नस्लवाद की परिघटना — को याद करने के लिए रखी गई है, मैं एक निजी कहानी सुनाना चाहता हूँ जिसने मुझे बदल दिया।

मैं उस अपार्टमेंट में पहुँचा, लिस्बन के बिलकुल बाहरी छोर पर, सबसे ग़रीब और सबसे ख़स्ताहाल इलाक़ों में से एक में, जहाँ ज़्यादातर पुर्तगाली बोली जाती थी, और जहाँ ब्राज़ील, अंगोला, साओ तोमे, मोगादिशू, मेडागास्कर के लोग थे, और कुछ ख़ुद पुर्तगाल के भी।

भाषा मेरे लिए जानी-पहचानी नहीं थी, पर उसकी कुछ बोलचाल मेरे अपने शहर की बोली के रूपों की याद दिलाती थी — और यह ऐतिहासिक स्मृति कि पुर्तगालियों ने कभी मेरे घर को अपना उपनिवेश बनाया था, महज़ मुमकिन नहीं थी, पक्की थी।

एक जुमला जो हमेशा मेरे होंठों पर मुस्कान ले आता था, वह था जब वे पुर्तगाली में कहते FOCU MEU — जिसका कालाब्रिया की बोली में भी वही मतलब है।

मैं हर चीज़ पर ध्यान देता था। अल्फ़ोंसो, ओस्वाल्दो, पाओलो, रोबेर्तो, अंतोनियो, रामोन हर शाम खाने पर मेरा इंतज़ार करते थे। मैं सबसे बड़ा था, और उन्हें मेरी कहानियाँ चाहिए थीं।

एक कहानी जो इतिहास में दर्ज हो गई, वह bruschetta, bussetta और busadero वाली थी — तीन शब्द, तीन बिलकुल अलग चीज़ें — और मैं उससे खेलता, अपनी कहानियाँ बुनता, न समझने का नाटक करता, जान-बूझकर घालमेल और ग़लतफ़हमियाँ पैदा करता, और आख़िर में सब हँसते-हँसते लोटपोट हो जाते।

वे मुझसे कहानियाँ पुर्तगाली में सुनवाते थे, और हर कहानी के अंत में मैं इतालवी में एक “vaffanculo” छोड़ देता, जैसे भीतर का कुछ खुलकर निकल गया हो, और सब मुस्कुरा देते।

किसी ने कभी मेरी चमड़ी के रंग पर ध्यान नहीं दिया। इतने सारे रंगों के बीच मैं अकेला गोरा आदमी था, पर शामों को, इकट्ठे बैठे, हम ख़ुशी और मुस्कानों का एक इंद्रधनुष होते थे।

जब मेरे पास ख़ुद ख़रीदने के पैसे नहीं होते थे, तब वे इसका भी ख़याल रखते थे कि मेरे पास खाने को कुछ हो, और यह वे गरिमा और नफ़ासत के साथ करते थे, और साथ-साथ मुझसे कहते जाते थे कि मैं संवाद का प्रोफ़ेसर हूँ, औरतों के मामले में बदमाश हूँ, और ऐसा आदमी हूँ जिसने अपने दिमाग़ को एक ख़ज़ाना बना लिया है, बाँटने के लिए, भुनाने के लिए कभी नहीं।

तो, जो भी मुझे पढ़ रहा है, उससे: चलती हुई दुनिया ऐसी दिखती है — और जब आपको सबसे कम उम्मीद होती है, तब सबसे अकल्पनीय मदद आ पहुँचती है, उस तरह जिस तरह देना सिर्फ़ पुर्तगाली जानते हैं।

अलविदा दोस्तो,
फर्दिनांदो